shrIbadrInAthAShTakam

श्रीबद्रीनाथाष्टकम्

Document Information

Text title : badrInAthAShTakam

File name : badrInAthAShTakam.itx

Category : vishhnu, krishna, rAmAnujasampradAya, aShTaka, vishnu

Location : doc_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran

Acknowledge-Permission: Shri Tripursundari Ved Gurukulam, Sahibabad (Ghaziabad), UP

Latest update : March 24, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 22, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीबद्रीनाथाष्टकम्

भू-वैकुण्ठकृतावासं देवदेवं जगत्पतिम् ।
चतुर्वर्गप्रदातारं श्रीबद्रीशं नमाम्यहम् ॥ १॥

तापत्रयहरं साक्षाच्छान्तिपुष्टिबलप्रदम् ।
परमानन्ददातारं श्रीबद्रीशं नमाम्यहम् ॥ २॥

सद्यः पापक्षयकरं सद्यः कैवल्यदायकम् ।
लोकत्रयविधातारं श्रीबद्रीशं नमाम्यहम् ॥ ३॥

भक्तवाञ्छाकल्पतरुं करुणारसविग्रहम् ।
भवाब्धिपारकर्तारं श्रीबद्रीशं नमाम्यहम् ॥ ४॥

सर्वदेवनुतं शश्वत् सर्वतीर्थपदं विभुम् ।
लीलयोपात्तवपुषं श्रीबद्रीशं नमाम्यहम् ॥ ५॥

अनादिनिधनं कालकालं भीमयमच्युतम् ।
सर्वाश्चर्यमयं देवं श्रीबद्रीशं नमाम्यहम् ॥ ६॥

गन्धमादनकूटस्थं नरनारायणात्मकम् ।
बदरीखण्डमध्यस्थं श्रीबद्रीशं नमाम्यहम् ॥ ७॥

शत्रूदासीनमित्राणां सर्वज्ञं समदर्शिनम् ।
ब्रह्मानन्दचिदाभासं श्रीबद्रीशं नमाम्यहम् ॥ ८॥

श्रीबद्रीशाष्टकमिदं यः पठेत्प्रयतः शुचिः ।
सर्वपापविनिमुक्तः स शान्तिं लभते पराम् ॥ ९॥

इति श्रीबद्रीनाथाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by PSA Easwaran

shrIbadrInAthAShTakam

pdf was typeset on December 22, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*